देव संस्कृति विश्वविद्यालय

अनन्तिम, प्रव्रजन, चरित्र प्रमाण पत्र, उपाधि एवं ट्रांसक्रिप्ट प्राप्त करने हेतु आवेदन
(Provisional, Migration, Character Certificate and Degree Certificate, Transcripts Application form)
(प्रार्थी स्वयं भरें–फार्म भरने से पहले निर्देश देखें)

1. आवेदक का नाम ———————————————————————————
(Name of applicant)———————————————————————————

2. पिता का नाम ———————————————————————————
(Father's Name)———————————————————————————

3. माता का नाम ———————————————————————————
(Mother's Name)———————————————————————————

4. अन्तिम परीक्षा का विवरण (Particulars of Las t Examination)

परीक्षा	वर्ष	नामांकन / अनुक्रमांक	परिणाम	प्राप्तांक	श्रेणी
Examination	Year	Enrollment/Roll No.	Result	Marks Obt.	Division

5. कौन सा प्रमाण पत्र चाहिए (Name of Certificate)——————————————

6. ट्रांसक्रिप्ट की कितनी प्रति चाहिए (How many sets of transcripts do you need?)————————

7. पता (Address)———————————————————————————
———————————————————————————
———————————————————————पिन————————

8. मोबाइल (Mobile)———————————————————————————

दिनांक (Dated) ::

आवेदक के हस्ताक्षर
Signature of Applicant

कार्यालय उपयोगार्थ (For office use)

प्राप्ति दिनांक :: Received Date

हस्ताक्षर (Signature)

भुगतान प्राप्ति संख्या: Payment receipt No. ---------------------- Date --

1. विद्यार्थी द्वारा फार्म में दी जाने वाली जानकारी हाई स्कूल अथवा समकक्ष परीक्षा प्रमाण–पत्र के अनुरूप होनी चाहिए। प्रार्थना पत्र विद्यार्थी द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए और किसी भी स्थिति में कोई अन्य व्यक्ति हस्ताक्षर नहीं करेगा/करेगी।
2. प्रथम बार लेने पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। द्वितीय (duplicate) प्रति प्राप्त करने पर अपेक्षित शुल्क लेखा विभाग में जमा कर, रसीद संलग्न करें अथवा देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार के नाम डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से शुल्क प्रेषित किया जा सकता है।
3. प्रव्रजन प्रमाण–पत्र हेतु प्रार्थना पत्र देते समय विद्यार्थी अपनी मूल उपाधि या अंकतालिका आवश्यक जाँच हेतु साथ में संलग्न करें।
4. किसी भी प्रमाण–पत्र/अंकतालिका की द्वितीय (duplicate) प्रति प्राप्त करने हेतु इसके साथ शपथ पत्र (नोटेरी द्वारा प्रमाणित रू0 10 के स्टाम्प पेपर पर) के साथ/स्थानीय पुलिस रिपोर्ट की प्रति संलग्न करना आवश्यक होगा।
5. प्रमाण–पत्र किसी दूसरे को हस्तांतरित करने हेतु निर्धारित प्रारूप भरकर प्राप्त करने वाले के हस्ताक्षर वेरीफाई करना होगा।
6. समस्त आवेदन परीक्षा विभाग/कुलसचिव कार्यालय में जमा करने होंगे।
7. प्रथम प्रति पर कोई शुल्क देय नहीं होगा, (केवल उपाधि दीक्षान्त के पूर्व लेने पर शुल्क देय होगा)
8. Transcript प्राप्त करने हेतु अंकतालिकाओं की प्रति संलग्न करनी होगी।

प्रव्रजन एवं चरित्र प्रमाण–पत्र	रू0 300/–
प्रोविजनल प्रमाण–पत्र	रू0 300/–
<u>द्वितीय प्रति (duplicate) प्रति प्राप्त करने हेतु शुल्क</u> –	
अंकतालिका	रू0 300/– (उत्तीर्ण करने के पांच वर्ष तक)
	रू0 500/– (उत्तीर्ण करने के पांच वर्ष से अधिक)
चरित्र एवं प्रव्रजन	रू0 500/– (उत्तीर्ण करने के पांच वर्ष तक)
	रू0 700/– (उत्तीर्ण करने के पांच वर्ष से अधिक)
उपाधि	रू0 3000/– (बिना दीक्षान्त समारोह/एक वर्ष के अंदर)
<u>विदेशी विद्यार्थियों के लिए</u>	
अंकतालिका/अन्य प्रमाण–पत्र	$ 10 – (उत्तीर्ण करने के पांच वर्ष तक)
	$ 20 – (उत्तीर्ण करने के पांच वर्ष से अधिक)
उपाधि	$50 – (बिना दीक्षान्त समारोह/एक वर्ष के अंदर)
<u>Transcript हेतु शुल्क</u>	
एक प्रति	रू0 – 3000/– प्रति
अतिरिक्त प्रति	रू0 100/– प्रति कापी
विदेशी छात्रों हेतु	$50
अतिरिक्त प्रति	$ 5

vufyfi (Duplicate) iek.k&i=@fMIykek@अंकपत्र/उपाधि प्राप्त करने हेतु भापथ पत्र

(शपथ पत्र रू0 10 के स्टाम्प पर नोटेरी द्वारा प्रमाणित)

मैं——————————————————पुत्र/पुत्री श्री——————————————————

निवासी——

——

वर्तमान पता ——————————————————————————————————शपथ पूर्वक घोषणा करता/करती हूँ कि—

1. मैंने देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार से सत्र——————————में ——————————————————(पाठ्यक्रम का नाम) उत्तीर्ण किया है। मुझे इसके मूल अंकपत्र/प्रमाण पत्र/डिप्लोमा/उपाधि प्राप्त हो चकुी है।

2. मेरा मूल अंकपत्र/प्रमाण—पत्र/डिप्लोमा/उपाधि वास्तव में खो गया/नष्ट/गुम हो गया/विरूपित हो गया है।

3. मेरे द्वारा उक्त अंकपत्र/प्रमाण पत्र/डिप्लोमा/उपाधि खोने/गुम होने/नष्ट/विरूपित होने की प्राथमिकी अपने पुलिस स्टेशन————————————————में दिनांक—————————— दर्ज को करा दी गई है, जिसकी स्वप्रमाणित प्रतिलिपि संलग्न है।

4. मैंने अपना पहचान पत्र/आधार कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस/पेनकार्ड या सरकार द्वारा जारी अन्य कोई पहचान पत्र की स्वप्रमाणित प्रतिलिपि संलग्न कर दी है।

5. मैं यह घोषित करता/करती हूँ कि मेरे मूल अंकपत्र/प्रमाण पत्र/डिप्लोमा/उपाधि, मुझे भविष्य में किसी भी परिस्थिति में मिल जाते हैं तो मैं कुलसचिव, देव संस्कृति विश्वविद्यालय को तुरन्त सूचित करूँगा/करूँगी और उनका किसी प्रकार दुरूपयोग नहीं करूँगा/करूँगी।

6. मैं यह भी घोषित करता/करती हूँ कि भविष्य में यदि मेरे मूल अंकपत्र/प्रमाण पत्र/डिप्लोमा/उपाधि का दुरुपयोग मेरे द्वारा या अन्य किसी व्यक्ति के द्वारा अनुचित प्रयोग किया जाता है या उससे किसी प्रकार की क्षति के लिए मैं स्वयं जिम्मेदार होऊँगा। विश्वविद्यालय प्रशासन की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

दिनांक

शपथकर्ता का नाम—

हस्ताक्षर————————

देव संस्कृति विश्वविद्यालय

प्राधिकार पत्र (Authority Letter)

सेवा में,

कुलसचिव / परीक्षा नियंत्रक
देव संस्कृति विश्वविद्यालय
हरिद्वार।

विषय :: प्रमाण पत्र हस्तांतरण के संबंध में प्राधिकार पत्र।

महोदय,

मेरे द्वारा सत्र ——————————————————में विश्वविद्यालय से ———————————————की परीक्षा उत्तीर्ण की गई है। मुझे अपनी अंकतालिका / प्रमाण पत्र / डिप्लोमा / उपाधि / ट्रांसक्रिप्ट की आवश्यकता है। मेरे द्वारा उक्त दस्तावेज प्राप्त करने हेतु आवश्यक प्रारूप पर आवेदन कर दिया गया है। मैं अपरिहार्यकारणों से व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो पा रहा / रही हूँ।

आपसे अनुरोध है कि मेरी अंकतालिका / प्रमाण पत्र / डिप्लोमा / उपाधि / ट्रांसक्रिप्ट श्री ————————————————————————————को उपलब्ध कराने का कष्ट करें। मैं इनको भलीभाँति जानती हूँ। ये मेरे ——————————————————————(संबंध) है। इनके हस्ताक्षर मेरे द्वारा नीचे प्रमाणित कर दिए गए हैं।

हस्ताक्षर

प्राप्त करने वाले का नाम

पता———————————————————
———————————————————

मेबाइल—————————————————

हस्ताक्षर

अभ्यर्थी का नाम

पता ————————————————————————
——————————————————————————

मोबाइल——————————————————————

ई—मेल——————————————————————

नोट – यदि किसी दूसरे को दस्तावेज प्रदान किए जाने हैं तो पहचान संबंधी दस्तावेज संलग्न करें।